आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा 2021-22
बी० ए० भाग प्रथम
विषय - समाजशास्त्र
प्रश्न पत्र - प्रथम
प्रश्न पत्र का नाम - समाज शास्त्र का परिचय

पूर्णांक - 75

प्रश्न ①. समाजशास्त्र किसे कहते हैं? समाजशास्त्र की प्रमुख विशेषता बताइये।

अथवा

समुदाय की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न ②. बहुपति तथा बहुपत्नी विवाह के कारणों और परिणामों की विवेचना कीजिए।

अथवा

नातेदारी से आप क्या समझते है? नातेदारी के सामाजिक महत्व को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न ③ सामाजिक स्तरीकरण से आप क्या समझते है? इसके विभिन्न स्वरूपों की विवेचना कीजिए।

अथवा

अन्त: पीढ़ी तथा अंतर-पीढ़ी गतिशीलता की प्रकृति को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न ④ सामाजिक परिवर्तन की परिभाषा दीजिए तथा सामाजिक परिवर्तन के आर्थिक कारकों की विवेचना कीजिए।

अथवा

सामाजिक उद्विकास से आप क्या समझते है? सामाजिक उद्विकास के विभिन्न स्तरों की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

प्रश्न ⑤ पारसन्स द्वारा वर्णित सामाजिक व्यवस्था के तत्वो की चर्चा कीजिए।

अथवा

सामाजिक प्रक्रिया क्या है? कुछ प्रमुख सहयोगी व असहयोगी प्रक्रियाओं का उल्लेख कीजिए।

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा 2021-22
बी० ए० भाग एक
विषय - समाजशास्त्र
प्रश्न पत्र - द्वितीय
प्रश्न पत्र का नाम - समकालीन भारतीय समाज
पूर्णांक - 75

प्रश्न ① वर्ण - व्यवस्था के आधार क्या है ? हिन्दू सामाजिक जीवन में वर्ण - व्यवस्था के महत्व की विवेचना

अथवा

पुरुषार्थ क्या है ? अर्थ और काम किस प्रकार धर्म से सम्बन्धित है ?

प्रश्न ② भारत में जनजातियों की प्रमुख समस्याएँ क्या है ? इन समस्याओं को किस प्रकार दूर किया जा सकता है ।

अथवा

भारत में स्त्रियों की प्रस्थिति में परिवर्तन लाने वाले प्रमुख कारकों की विवेचना कीजिए ।

प्रश्न ③ जाति की परिभाषा दीजिए तथा इसकी प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

अथवा

संयुक्त परिवार व्यवस्था क्या है ? संयुक्त परिवार की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

प्रश्न ④ भारत में घरेलू हिंसा के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए ।

अथवा

भारतीय समाज में वृद्धजनों की समस्या पर एक समाजशास्त्रीय लेख लिखिए ।

प्रश्न ⑤ नियुक्त महत्व क्या है ? नियुक्त महत्व के विभिन्न प्रकारों को समझाइये ।

अथवा

भारत में क्षेत्रवाद से संबंधित प्रमुख प्रवृत्तियाँ क्या है क्षेत्रवाद की समस्या का समाधान किस प्रकार किया जा सकता है ?